अध्याय - 2 | संसाधन के रूप में लोग

QUIZ-01

1. **अध्याय "लोग एक संसाधन के रूप में" को कैसे परिभाषित करता है?**
   A. अर्थव्यवस्था पर बोझ।
   B. उनकी उत्पादक क्षमताओं और ज्ञान के माध्यम से आर्थिक विकास में योगदान देने वाले व्यक्ति।
   C. केवल कृषि गतिविधियों में लगे लोग।
   D. देश की कुल जनसंख्या। (B)

व्याख्या: अध्याय के अनुसार, लोग तब संसाधन माने जाते हैं जब उनकी उत्पादक क्षमताएँ और ज्ञान शिक्षा, प्रशिक्षण और स्वास्थ्य के माध्यम से सकल राष्ट्रीय उत्पाद में योगदान करते हैं।

2. **मानव पूंजी निर्माण के पीछे मुख्य विचार क्या है?**
   A. भौतिक ढांचे में निवेश।
   B. शिक्षा, प्रशिक्षण और स्वास्थ्य देखभाल के माध्यम से कौशल का विकास।
   C. भूमि और मशीनरी का संचय।
   D. जनसंख्या कम करने पर ध्यान देना। (B)

व्याख्या: मानव पूंजी निर्माण का अर्थ है शिक्षा, कौशल और स्वास्थ्य में निवेश करके व्यक्तियों की उत्पादकता और सामाजिक मूल्य को बढ़ाना।

3. **मानव संसाधन को भूमि और मशीनरी जैसी भौतिक पूंजी से क्या अलग बनाता है?**
   A. मानव संसाधन स्वयं उपयोगी होते हैं; भौतिक पूंजी नहीं।
   B. भौतिक पूंजी नवीकरणीय है, मानव संसाधन नहीं।
   C. मानव संसाधन भूमि और मशीनरी को उत्पादक बनाते हैं।
   D. भौतिक पूंजी मानव संसाधन से बेहतर है। (C)

व्याख्या: मानव संसाधन विशेष होते हैं क्योंकि वे ज्ञान और कौशल के माध्यम से भौतिक पूंजी जैसे भूमि और मशीनरी की उत्पादकता बढ़ाते हैं।

4. **भारत की अर्थव्यवस्था में मानव पूंजी के महत्व को कौन-सा उदाहरण दर्शाता है?**
   A. हरित क्रांति B. औद्योगिक क्रांति
   C. आईटी क्रांति D. A और C दोनों (D)

व्याख्या: हरित क्रांति और आईटी क्रांति यह दिखाते हैं कि ज्ञान और कौशल ने उत्पादन क्षमता बढ़ाकर भारत के आर्थिक विकास में योगदान दिया।

5. **शिक्षा मानव पूंजी निर्माण में कैसे योगदान देती है?**
   A. नौकरी के अवसर कम करके।
   B. नई आकांक्षाएँ खोलकर और उत्पादकता बढ़ाकर।
   C. सरकारी नौकरियों पर निर्भरता बनाकर।
   D. भौतिक संसाधनों के उपयोग को सीमित करके। (B)

व्याख्या: शिक्षा नई आकांक्षाएँ खोलती है, उत्पादकता बढ़ाती है, और व्यक्तियों को उनके व्यक्तिगत और आर्थिक विकास में मदद करती है।

6. **बाजार और गैर-बाजार गतिविधियों में क्या अंतर है?**
   A. बाजार गतिविधियाँ भुगतान से जुड़ी होती हैं; गैर-बाजार गतिविधियाँ बिना भुगतान की होती हैं।
   B. बाजार गतिविधियाँ केवल कृषि तक सीमित होती हैं; गैर-बाजार गतिविधियाँ शिक्षा तक।
   C. बाजार गतिविधियाँ अकुशल होती हैं; गैर-बाजार गतिविधियाँ कुशल।
   D. इनमें कोई अंतर नहीं है। (A)

व्याख्या: बाजार गतिविधियाँ आय उत्पन्न करती हैं और भुगतान से जुड़ी होती हैं, जबकि गैर-बाजार गतिविधियाँ आत्म-उपभोग या बिना भुगतान के घरेलू कार्यों को शामिल करती हैं।

7. **महिलाएँ अक्सर कम वेतन वाली नौकरियों में क्यों लगाई जाती हैं?**
   A. अवसरों की कमी के कारण।
   B. शिक्षा और कौशल विकास की कमी के कारण।
   C. वे कम वेतन वाली नौकरियाँ पसंद करती हैं।
   D. उन्हें कार्य-जीवन संतुलन की कमी होती है। (B)

व्याख्या: महिलाओं को पुरुषों की तुलना में कम शिक्षा और कौशल प्रशिक्षण प्राप्त होता है, जिससे उनकी पहुँच सुरक्षित और उच्च वेतन वाली नौकरियों तक सीमित रहती है।

8. **"गुप्त बेरोजगारी" क्या है?**
   A. स्वास्थ्य समस्याओं के कारण काम करने में असमर्थ लोग।
   B. काम में आवश्यक संख्या से अधिक लोगों का शामिल होना।
   C. शहरी युवाओं के बीच बेरोजगारी।
   D. ग्रामीण क्षेत्रों में मौसमी बेरोजगारी। (B)

व्याख्या: गुप्त बेरोजगारी तब होती है जब काम में आवश्यक संख्या से अधिक लोग काम करते हैं, जिससे अतिरिक्त लोग उत्पादकता में कोई योगदान नहीं करते।

9. **जनसंख्या की गुणवत्ता को निर्धारित करने वाले मुख्य कारक क्या हैं?**
   A. आय, भूमि स्वामित्व और शारीरिक स्वास्थ्य।
   B. साक्षरता दर, जीवन प्रत्याशा, और कौशल विकास।
   C. रोजगार दर, प्रौद्योगिकी उपयोग, और जन्म दर।
   D. जनसंख्या का आकार, जन्म दर, और शिक्षा। (B)

व्याख्या: जनसंख्या की गुणवत्ता शिक्षा, स्वास्थ्य (जीवन प्रत्याशा), और कौशल पर आधारित होती है, जो उत्पादकता और आर्थिक योगदान को बढ़ाती है।

10. **प्राकृतिक संसाधनों की कमी के बावजूद जापान के समृद्ध देश बनने का मुख्य कारण क्या था?**
   A. कृषि में निवेश।
   B. मानव संसाधनों, विशेष रूप से शिक्षा और स्वास्थ्य में निवेश।
   C. आयात पर निर्भरता।
   D. जनसंख्या वृद्धि दर कम होना। (B)

व्याख्या: जापान की सफलता का श्रेय मानव पूंजी में निवेश को दिया जाता है, जिसने प्राकृतिक संसाधनों और उन्नत प्रौद्योगिकी का प्रभावी उपयोग सुनिश्चित किया।